संस्कृत विभाग
DEPARTMENT OF SANSKRIT
डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
DOCTOR HARISINGH GOUR VISHWAVIDYALAYA, SAGAR (M.P.)
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय A Central University)

प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी
अध्यक्ष
Prof. Anand Prakash Tripathi
HEAD

दूरभाष क्र./Tel./Fax : 07582 - 264366
मो./ Mob. : 09425656284
ई.मेल/ Email : sanskritsagar1946@gmail.com

वनमाला भवालकर की साहित्य साधना

संस्कृत विभाग की प्राध्यापिका श्रीमती प्रो वनमाला भवालकर के व्यक्तित्व और उनकी साहित्य साधना पर संस्कृत विभागए डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में 8 फरवरी 2017 को एक विचार विमर्श का आयोजन हुआ ।आरंभ में वनमाला भवालकर के चित्र पर माल्यार्पण हुआ और सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई ।सर्वप्रथम विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ संजय कुमार ने वनमाला भवलकर का साहित्यिक परिचय प्रस्तुत किया । उन्होंने बताया कि वनमाला भवलकर इस विश्वविद्यालय की पहली महिला शिक्षक रही हैं जो हमारे लिए गौरव की बात है। उनके आदर्श व्यक्तित्व और महत्वपूर्ण संस्कृत साहित्य से संस्कृत जगत और संस्कृत विभाग गौरवान्वित अनुभव करता है। डा नौनिहाल गौतम ने उनके नाट्य कर्म पर प्रकाश डाला ।डॉ शशि कुमार सिंह ने उनकी रचनाशीलता के विभिन्न पक्षों पर अपने विचार व्यक्त किए। डा किरण आर्या ने वनमाला भवलकर के साहित्यिक वैशिष्ट्य को रेखांकित किया तथा डॉ रामहेत गौतम ने वनमाला भवलकर के साहित्य में स्त्री चिंतन और भारतीय संस्कृति के प्रति उनके लगाव को विश्लेषित किया ।इस कार्यक्रम कीअध्यक्षता करते हुए संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रोफेसर आनंद प्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि वनमाला भवलकर का संस्कृत साहित्य के प्रति योगदान अप्रतिम है ।संस्कृत विभाग के आरंभिक दौर में वनमाला भवालकर का विभाग में आना एक वरदान सा है ।उन्होंने अपनी संस्कृत सेवाओं से संस्कृत जगत को समृद्ध किया है।

कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर नौनिहाल गौतम ने किया और आभार डॉ किरण आर्य ने व्यक्त किया ।

अध्यक्ष एसंस्कृत विभाग
डॉक्टर हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय
सागर ,मध्य प्रदेश

अध्यक्ष, संस्कृत विभाग
Head, Dept. of Sanskrit
डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सा
Dr.Hari Singh Gour V. V. Saga